[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 1582 **D** **Your Roll No...............**

Unique Paper Code : 213102

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

(Admission of 2011 and onwards)

Name of the Paper : Paper II (Sanskrit Literature – I)

Semester : I

Dutation : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. This question paper contains **8** questions.
3. **All** questions should be answered.
4. Answers may be written *either* in Sanskrit *or* Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में कुल 8 प्रश्न हैं।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
4. इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

भाग 'क' (Section – A)

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

Translate the following : (5×2=10)

(क) अथ तस्यां गतायां, पृष्ठे ब्राह्मणोऽपि शून्यं गृहं मुक्त्वा भिक्षार्थं क्वचिन्निर्गतः। अत्रान्तरे दैववशात् कृष्णसर्पो बिलान्निष्क्रान्तः। नकुलोऽपि तं स्वभाववैरिणं मत्वा भ्रातृ रक्षणार्थं सर्पेण युद्ध्वा सर्पं

P.T.O.

खण्डशः कृतवान् । ततो रुधिराप्लावितवदनः सानन्दं व्यापारप्रकाशनार्थं मातुः सम्मुखं गतः । माताऽपि तं रुधिरक्लिन्नमुखमवलोक्य शंकितचित्ता "नूनमनेन दुरात्मना दारको मे भक्षितः" इति विचिन्त्य कोपात्तस्योपरि तं जलकुम्भं चिक्षेप ।

अथवा (or)

सुकुलं कुशलं, सुजनं विहाय, कुलकुशलशीलविकलेऽपि ।
आढ्ये कल्पतराविव नित्यं रज्यन्ति जननिवहाः ।।

(ख) कस्मिंश्चिदधिष्ठाने चत्वारो ब्राह्मणाः परस्परं मित्रत्वमापन्ना वसन्ति स्म । बालभावे तेषां मतिरजायत- "भोः ! देशान्तरं गत्वा, विद्याया उपार्जनं क्रियते ।" अथान्यस्मिन्दिवसे ते ब्राह्मणा परस्परं निश्चयं कृत्वा विद्योपार्जनार्थं कान्यकुब्जं गताः । तत्र च विद्यामठं गत्वा पठन्ति । एवं द्वादशाब्दानि यावदेकचित्ततया पठित्वा, विद्याकुशलास्ते सर्वे संजाताः ।

अथवा (or)

राजा दानपरो नित्यमिह कीर्तिमवाप्य च ।
तत्प्रभावात्पुनः स्वर्गे स्पर्धते त्रिदशैः सह ।।

2. 'अपरीक्षितकारकम्' में पठित 'लोभाविष्टचक्रधरकथा' का सारांश लिखिए । (8)

Write a summary of 'Lobhāviṣṭachakradharā Kathā' of Aparīkṣitakārakam.

अथवा (or)

'अपरीक्षितकारकम्' की 'मत्स्यमण्डूककथा' में प्रतिपादित नैतिक शिक्षा पर प्रकाश डालिए ।

Highlight the moral teachings of 'Matsayamaṇḍūka Kathā of Aparīkṣitakārakam.

भाग 'ख' (Section – B)

3. किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (6×2=12)

Explain with reference to the context any **two** of the following :

(i) तस्य सन्दिदिहे बुद्धिस्तथा सीतां निरीक्ष्य च ।
आम्नायानामयोगेन विद्यां प्रशिथिलामिव ।।

(ii) मान्या गुरुविनीतस्य लक्ष्मणस्य गुरुप्रिया ।
यदि सीता हि दुःखार्ता कालो हि दुरतिक्रमः ।।

(iii) तां दृष्ट्वा हनुमान् सीतां मृगशावनिभेक्षणाम् ।
मृगकन्यामिव त्रस्तां वीक्षमाणां समन्ततः ।।

भाग 'ग' (Section – C)

4. किन्हीं **दो** पद्यों की व्याख्या कीजिए : (6×2=12)

Explain any **two** of the following :

(i) साहित्यसंगीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः ।
तृणं न खादन्नपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं पशूनाम् ।।

(ii) प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः
प्रारभ्य विघ्नविहता विरमन्ति मध्याः ।
विघ्नैः पुनःपुनरपि प्रतिहन्यमानाः
प्रारब्धमुत्तमजना न परित्यजन्ति ।।

(iii) परिवर्तिनि संसारे मृतः को वा न जायते ।
स जातो येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम् ।।

भाग 'ख' अथवा 'ग' (Section – B or C)

5. **संस्कृत** में व्याख्या कीजिए : (6)

Explain in **Sanskrit** :

स्त्री प्रणष्टेति कारुण्यादाश्रितेत्यानृशंस्यतः ।

पत्नी नष्टेति शोकेन प्रियेति मदनेन च ।।

अथवा (or)

भर्तृहरि द्वारा रचित "नीतिशतकम्" के अनुसार 'सुजनपद्धति' पर **संस्कृत** में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

Write a short note in **Sanskrit** on 'Sujanapaddhati' according to 'Nīti śhatakam' of Bhartrihari.

भाग 'घ' (Section – D)

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों की व्याख्या कीजिए : (6×2=12)

Explain any **two** of the following :

(i) पद्मावती नरपतेर्महिषी भवित्री
दृष्टा विपत्तिरथ यैः प्रथमं प्रदिष्टा ।
तत्प्रत्ययात् कृतमिदं न हि सिद्धवाक्या-
न्युत्क्रम्य गच्छति विधिः सुपरीक्षितानि ।।

(ii) किं वक्ष्यतीति हृदयं परिशङ्कितं मे
कन्या मयाप्यपहृता न च रक्षिता सा ।
भाग्यैश्चलैर्महदवाप्तगुणोपघातः
पुत्रः पितुर्जनितरोष इवास्मि भीतः ।।

(iii) परिहरतु भवान् नृपापवादं
न परुषमाश्रमवासिषु प्रयोज्यम् ।
नगरपरिभवान् विमोक्तुमेते
वनमभिगम्य मनस्विनो वसन्ति ।।

7. "स्वप्नवासवदत्तम्" के अनुसार उदयन का चरित्र चित्रण कीजिए । (10)

Sketch the character of Udayana according to 'Swapnavāsavadattam'.

अथवा (or)

"स्वप्नवासवदत्तम्" के आधार पर यौगन्धरायण के आगमन के महत्व पर प्रकाश डालिए ।

Highlight the importance of "Yogandharāyaṇa" according to 'Swapnavāsavadattam'.

8. प्रश्न सं 1, 3, 4 में रेखांकित किन्हीं पाँच शब्दों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए । (5)

Write grammatical notes on any **five** of the underlined words in Question nos. 1, 3 and 4.

(600)